नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत और चुनौतियां

केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 'पहले एडवांस नेशनल इनकम एस्टीमेट' ने भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर सकारात्मक संदेश दिया है. वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से उल्लेखनीय रूप से बेहतर है. यह आंकड़ा न केवल भारत के आर्थिक लचीलेपन को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूत विकास पथ पर अग्रसर होने का प्रमाण है. इस अनुमान की आधारशिला मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र हैं, जहां 7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है. मैन्युफैक्चरिंग को 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाओं ने गति प्रदान की है. ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे उप-क्षेत्रों में निवेश बढ़ा है, जिससे निर्यात में उछाल आया है.

इसी तरह, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित नीतियों का फायदा उठा रहा है. गति योजना और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं ने न केवल रोजगार सृजन किया है, बल्कि पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित किया है. ये दोनों क्षेत्र अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में उभर रहे हैं, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड को 7.3 प्रतिशत बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे. सर्विस सेक्टर, जो भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग 55 प्रतिशत योगदान देता है, भी स्थिरता बनाए रखेगा. आईटी, वित्तीय सेवाएं और पर्यटन में डिजिटल क्रांति ने इस क्षेत्र को मजबूत बनाया है. यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स और फिनटेक का उदय उपभोक्ता मांग को बढ़ावा दे रहा है. कुल मिलाकर, ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत निजी खपत, निवेश और निर्यात के संतुलित मिश्रण पर आधारित विकास कर रहा है. वैश्विक मंदी, भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति के दौर में भारत की यह प्रक्षेपित वृद्धि दर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार करेगी.

दरअसल, घरेलू स्तर पर, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से ऊपर है, और फिस्कल डेफिसिट लक्ष्यों के अनुरूप है. ये कारक निवेशकों का विश्वास बढ़ा रहे हैं, जिसका प्रमाण एफडीआई में वृद्धि से मिलता है. सकारात्मक चित्र के बावजूद, कुछ चुनौतियां बरकरार हैं. ग्रामीण मांग में सुधार की जरूरत है, जहां मानसून पर निर्भरता बनी हुई है. कृषि क्षेत्र, जो जीडीपी का 15-18 प्रतिशत है, में विविधीकरण आवश्यक है. साथ ही, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर जोर देना होगा, क्योंकि युवा आबादी डेमोग्राफिक लाभांश का लाभ उठाने को तैयार है. जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण भी दीर्घकालिक जोखिम हैं. फिर भी, ये चुनौतियां अवसरों में बदल सकती हैं. हरित ऊर्जा पर निवेश और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार से सतत विकास सुनिश्चित होगा.

कुल मिलाकर केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय के ये अनुमान भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं. औद्योगिक गतिविधियों, बुनियादी ढांचे और सेवाओं के संयोजन से न केवल जीडीपी लक्ष्य हासिल होगा, बल्कि समावेशी विकास भी सुनिश्चित होगा. सरकार की नीतिगत स्पष्टता और निजी क्षेत्र की भागीदारी इसकी कुंजी है. यदि ये रुझान बने रहे, तो भारत 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना साकार कर सकता है.

एमपी में लाडो अभियान की अवधारणा

राजीव खण्डेलवाल

> प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है कि– हर घर के सामने बेटी या महिला के नाम की नेम प्लेट लगाकर हम न केवल सामाजिक जिम्मेदारी निभाएंगे बल्कि एक मौन क्रांति का हिस्सा भी बनेंगे. विवाह के बाद घर आने वाली बहू को भी घर की बेटी मानते हुए उसका नाम सम्मानपूर्वक प्रदर्शित किया जाए. इससे न केवल नई बहू को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी, बल्कि उसके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी–जो परिवार और समाज दोनों के लिए हितकारी सिद्ध होगी. तेजी से पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ते समाज और कमजोर होते संयुक्त हिंदू परिवार की पृष्ठभूमि में, लाडो अभियान परिवार और सामाजिक मूल्यों को सहेजने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है.

पुरुष-प्रधान समाज में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिलाने के लिए उन्हें सदियों से संघर्ष करना पड़ा है. भारत की सामाजिक, जातीय संरचना, अशिक्षा और परंपरागत सोच के कारण यह संघर्ष और भी कठिन रहा है. यद्यपि समय के साथ महिलाओं ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है और अधिकारों की इस लड़ाई में कई सफलताएँ भी प्राप्त की हैं, फिर भी यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि तथाकथित सभ्य समाज आज भी महिलाओं को उस मुकाम तक नहीं पहुँचा सका है, जिनकी वे प्राकृतिक स्वाभाविक रूप से जन्म सिद्ध अधिकारिणी हैं.

पुरुष की पहचान से पहचाने जाने वाले समाज में बैतूल के निवासी, समाजसेवी एवं एक साधारण पान की दुकान चलाने वाले अनिल यादव (पहलवान) ने एक असाधारण और साहसिक विचार को जन्म दिया- समाज की पहचान पुरुष से नहीं, महिला से हो. इस नहीं अभिनव सोच ने समाज की जड़ जमाई हुई सोच को झकझोरने का साहसिक कार्य किया. अनिल ने समाज के सामने यह मूल सोच रखी कि जब घर की धूरी महिला है, तो पहचान सिर्फ पुरुष के नाम से ही क्यों? इसी सोच के साथ उन्होंने घर की पहचान बेटी के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसे स्नेहपूर्वक लाडो अभियान नाम दिया गया. इस अभियान का शुभारंभ 8 नवंबर 2015, उनकी बेटी आयुषी यादव के जन्मदिन से हुआ. आज यह अभियान अपने 10 वर्ष (3650 दिन) पूर्ण कर चुका है.

आदिवासी बहुल बैतूल जिले से शुरू हुआ यह अभियान आजदेश के 28 राज्यों तक पहुँच चुका है. मध्य प्रदेश के 27 जिलों में सक्रिय है. अकेले बैतूल जिले के 135 गाँवों में अब तक 3900 से अधिक बेटियों के नाम की नेम प्लेट घरों पर लगाई जा चुकी हैं. यह केवल नेम प्लेट लगाने का कार्य नहीं, बल्कि समाज की सोच का चेहरा बदलने का प्रयास है. यह अभियान आज बेटियों को सामाजिक पहचान, सम्मान और स्वाभिमान देने का प्रतीक बन चुका है. गर्व की बात है कि यह अभियान अमेरिका, दुबई और लंदन तक भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है. संघर्ष का पर्याय अनिल यादव. कहावत है जो खुद पर लागू करें वही दूसरों को समझ सकता है. कोई भी सामाजिक आंदोलन तभी सफल होता है, जब उसका प्रारंभ स्वयं से किया जाए. अनिल यादव ने इस सिद्धांत को अपने जीवन में उतारते हुए अभियान की शुरुआत अपने घर से की. रास्ता आसान नहीं था असंख्य उपहास, शंकाओं और आलोचनाओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी. न तो कदम रोके, न हो हौसले टूटने दिए और निरंतर आगे बढ़ते रहे.

यह अभियान देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्य को जमीनी स्तर पर घर-घर तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन गया. 10 वर्षों का अनुभव और सामाजिक प्रभाव व परिवर्तन. जब अनिल यादव से पूछा गया कि इस दस वर्षीय यात्रा में उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने बताया- किसी ने कहा, इससे क्या बदलेगा? इससे क्या फर्क पड़ेगा? किसी ने आशंका जताई कि बेटियों के नाम से लोग पुकारेंगे तो असहजता होगी. किसी ने इसे समय की बर्बादी बताया. यह ऊंट के मुंह में जीरा है. लेकिन दृढ़ निश्चय और अटूट विश्वास के साथ उन्होंने इन सभी बातों को नजरअंदाज किया. समय नहीं है सिद्ध कर दिया या मुहिम रेट पर पानी नहीं बल्कि पत्थर पर लकीर साबित हुई.

परिणाम आज सबके सामने है- समाज में बेटियों को सम्मान और बराबरी का दर्जा मिलने लगा है. समाज में बेटियों को आंख उठाकर देखने का अवसर मिल रहा है. घरों पर दादा या पिता के स्थान पर बेटी व महिलाओं के नाम की नेम प्लेट लगने लगी है. प्रतिष्ठानों के नाम बेटियों के नाम पर रखे जाने लगे हैं. बेटियों के जन्म पर उत्सव मनाने की परंपरा बढ़ी है. माता-पिता बेटियों के भविष्य को लेकर अधिक सजग और सकारात्मक हुए हैं. इस अभियान की सफलता में लाडो फाउंडेशन, बेटियों के माता-पिता तथा मीडिया एवं पत्रकार बंधुओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है जो निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं. एक अपील. इस अवसर पर खासकर बैतूल जिले के नागरिकों से एक विशेष अपील जरूर इसलिए भी करना चाहता हू कि यह बिल्कुल ही मौलिक, अभिनव योजना है जिसे बैतूल का नाम सिर्फ जिले, प्रदेश या देश में ही नहीं बल्कि विश्व में भी किया है.

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल नगर सुधार न्यास हैं)

महाकौशल की डायरी

2 लाख वोटरों के नाम कटे तो सताने लगा डर...

अविनाश दीक्षित

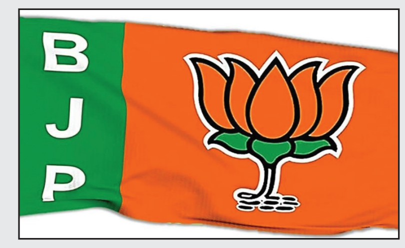

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जबलपुर में भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं, सांसद व विधायकों के प्रति गहरी नाराजगी जताई तो स्थानीय भाजपा खेमे में खलबली मच गई. वजह..जबलपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान जबलपुर जिले से 2 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटना. इस कटौती से उपजे राजनीतिक संकट और भविष्य के चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अलर्ट मोड पर आया और बिगड़ी स्थिति को संभालने, एस आई आर की पूरी कमान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के हाथों सौंप दी. जबलपुर से लेकर भोपाल तक चर्चाएं हैं कि शीर्ष नेतृत्व खुद मान रहा है कि जबलपुर जिले के विधायकों और सांसद ने पुनरीक्षण काम में रूचि नहीं दिखाई जिस कारण मतदाताओं के नाम कटने की स्थिति उत्पन्न हुई. राकेश सिंह अब जबलपुर में बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक एसआइआर के कार्यों की समीक्षा करेंगे. वह स्वयं बीएलए (बूथ स्तरीय प्रतिनिधियों) और जिला प्रभारियों के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित करेंगे कि 10 जनवरी तक मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर लिया जाए.

खबर तो ये भी है कि स्थानीय भाजपा संगठन को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं ये दो लाख से अधिक मतदाताओं के जो नाम मतदाता सूची से हटे हैं वह कहीं आगामी लोकसभा और स्थानीय चुनावों के समीकरण न बिगाड़ दें. इसे देखते हुए बीएलए को निर्देश दिए गए हैं कि वह अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृतक सूची का अपने स्तर पर फिर से भौतिक सत्यापन करें. यदि किसी सक्रिय मतदाता का नाम तकनीकी कारणों या लापरवाही से हटा दिया गया है, तो उसे तत्काल वापस जुड़वाया जाए. भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने जो निर्देश दिए हैं कि उससे तो साफ है कि कहां, किससे चूक, गलती हुई उसका हिसाब तो बाद में होगा, फिलहाल प्राथमिकता सूची को सुधारने की रखी गई है. पार्टी ने जबलपुर में डैमेज कंट्रोल के लिए जिले के प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की रणनीति तय कर ली है. इस कार्य के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा को सबसे आगे रखा गया है.

जेडीए अध्यक्ष बनने दिल्ली तक लगा रहे ऐड़ी चोटी का जोर...

जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष की कुर्सी के लिए भाजपा में अपनों के ही बीच घमासान नजर अभी से आने लगा है. साल 2025 पूरी तरह भाजपा की बैठकों की भेंट चढ़ गया और अब सभी की नजर जनवरी पर टिकीं हुई हैं. कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश के निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में कुर्सी व पद की चाह रखने वाले भाजपा के नेताओं के भाग्य के ताले खुल जाएंगे. किसकी किस्मत का ताला खुलता है ये तो आने वाला समय बताएगा लेकिन राजनैतिक गलियारों के बीच में जो खबर निकलकर आ रही है उससे तो साफ हो गया है कि जबलपुर विकास प्राधिकरण की कुर्सी पाने की होड़ में जिले के पूर्व मंत्रियों का एक गुट बहुत सक्रिय हो चुका है जो कि सत्ता से बाहर होने के बाद भी अब अपनी अपनी राजनीतिक वापसी के लिए जेडीए को सीढ़ी बनाना चाह रहा है. इसके लिए ये गुट भोपाल से दिल्ली तक भागादौड़ी में जुटा है, दूसरी तरफ संगठन के पुराने निष्ठावान नेता भी इस बार आर-पार की लड़ाई के मूड में नजर आ रहे हैं. जानकारी के अनुसार भाजपा के दिल्ली के आलाकमान ने परफॉरमेंस और उम्र का इस बार निगम मंडलों की नियुक्ति पर एक ऐसा कड़ा फिल्टर लगाया है, जिसमें कई पुराने सूरमाओं के नाम कटने का अनुमान भी लगाया जा रहा है. राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि इस बार नियुक्तियों की सूची सिर्फ भोपाल से तय नहीं होगी. दिलचस्प बात यह है कि कई दावेदारों ने अब धार्मिक अनुष्ठानों का भी सहारा लेना शुरू कर दिया है. भाजपा के भीतर यह सुगबुगाहट तेज है कि यदि इस बार भी सूची अटकी, तो संगठन के भीतर असंतोष को संभालना मुश्किल होगा. तमाम कयासों के बीच ये तो फिलहाल स्पष्ट नजर आ रहा है कि भाजपा नेताओं की पहली पसंद जबलपुर विकास प्राधिकरण ही है. क्योंकि जेडीए की कमान हाथ में होने से शहर के विकास और स्थानीय राजनीति पर उनकी पकड़ मजबूत रहेगी. यही कारण है कि पूर्व मंत्री और संगठन के कद्दावर जेडीए अध्यक्ष की कुर्सी के लिए ज्यादा ऐड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं.

द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन में तनाव

इस वर्ष तमिलनाडु व बंगाल में विधानसभा चुनाव होगा. इन दोनों ही राज्यों में बीजेपी के मुकाबले विपक्षी पार्टियां अधिक मजबूत हैं. इतने पर भी तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में असहजता देखी जा रही है, क्योंकि कांग्रेस इस बार अधिक सीटों की मांग कर रही है व सत्ता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है. कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि यूपीए सरकार के समय हमने द्रमुक को केंद्र में ज्यादा अधिकार दिए थे, वैसे ही तमिलनाडु में कांग्रेस को मिलने चाहिए. यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि कांग्रेस तमिलनाडु की जनता को दिए गए अपने वादे पूरे करना चाहती है. राज्य कांग्रेस के कुछ नेताओं का आरोप है कि उन्हें गठबंधन में सम्मान नहीं दिया जाता इतने पर भी पिछले 5 वर्षों में हमने कभी द्रमुक की आलोचना नहीं की. 2004 में सोनिया गांधी ने कांग्रेस व द्रमुक का गठबंधन बनाया था. राहुल गांधी के भी द्रमुक के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से अच्छे संबंध हैं, लेकिन इस गठबंधन से कांग्रेस को कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिल रहा है. स्टालिन की सरकार में कांग्रेस को शामिल नहीं किया गया. विधानसभा सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर कांग्रेस के प्रस्ताव पर द्रमुक ध्यान नहीं दे रही है. 2011 में कांग्रेस ने तमिलनाडु की 41 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि 2021 में द्रमुक ने उसके लिए सिर्फ 25 सीटें ही छोड़ी थीं. द्रमुक के इस तरह के रवैये से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में असंतोष व्याप्त है. दूसरी ओर अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने कहा कि कांग्रेस हमारी स्वाभाविक साथी है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने सार्वजनिक रूप से कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन पहले की तरह कायम रहेगा. इस बार बीजेपी तमिलनाडु में अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही है. वाराणसी में तमिल संगमम के आयोजन तथा संसद में चोल राजाओं के राजदंड सेंगोल को स्थापित कर प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल जनता का दिल जीतने की कोशिश की है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप के लिए दुनिया मांगे दुआ ताकि वो कहें, मोगैंबो खुश हुआ

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मुझे खुश करना महत्वपूर्ण है. यदि भारत मुझे खुश नहीं करता तो मैं और टैरिफ लगा दूंगा. मोदी एक अच्छे इंसान हैं. वे वे जानते हैं कि मैं अप्रसन्न हूं इसलिए मुझे खुश करना जरूरी है.'

हमने कहा, 'आश्चर्य की बात है कि दुनिया की एकमात्र महाशक्ति अमेरिका का प्रेसीडेंट भी खुश नहीं है. ट्रंप को फिल्म 'मिस्टर इंडिया' का वीडियो भेजा जाए जिसमें उनके ही समान महासनकी व बेरहम पात्र की भूमिका अमरीश पुरी ने निभाई थी. उसका डायलॉग मशहूर हुआ था- मोगैंबो खुश हुआ!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, ट्रंप की इच्छाएं अनंत हैं. भगवान बुद्ध ने कहा था कि दुखों का मूल कारण इच्छा है. जब इच्छा पूरी नहीं होती तो दुख होता है और क्रोध आता है. दुनिया को जीतने निकले सिकंदर को भी खाली हाथ लौटना पड़ा था. ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को किडनैप कर लिया ताकि वहां के तेल पर कब्जा कर सकें. इसके बाद वह दक्षिण के अमेरिका के अन्य देशों खासकर कोलंबिया को निशाना बना सकते हैं. डेनमार्क के स्वामित्व वाला ग्रीनलैंड हड़पने की भी उनकी इच्छा है. यह सारी अशांतिपूर्ण हरकतें वह शांति का नोबल प्राइज पाने के लिए कर रहे हैं. यदि मोदी उनके लिए नोबल प्राइज की सिफारिश कर दें तो ट्रंप खुश हो जाएंगे.'

हमने कहा, 'ऐसा नहीं हो सकता. ट्रंप को खुश होने की इतनी ही इच्छा है तो अपने यहां किसी विदूषक, मसखरे या कोर्ट जेस्टर को रख लें जो उन्हें चुटकुले सुनाता रहे. पुराने राजा-महाराजा अपने दरबार में विदूषक रखा करते थे. अकबर-बीरबल चुटकुले या जोक्स मशहूर रहे हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, ट्रंप को खुश करने के लिए कॉमेडी फिल्में दिखाई जा सकती हैं. जॉनी लीवर या सुदेश भोसले की मिमिक्री सुनाई जा सकती है. वह चाहें तो कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में तशरीफ ला सकते हैं. अपने किसी सहायक से कह सकते हैं कि मुझे गुदगुदी करो ताकि मैं हंसने लगूं.' हमने कहा, 'स्वार्थी, महत्वाकांक्षी लोग हमेशा अंदर से अनहैपी रहते हैं. ट्रंप का भी कोई इलाज नहीं है. 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक दुनिया को उन्हें झेलना होगा.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12136

-डा. सागर खादीवाला

1	2			■	■	3	4
5		■	■	6			
	■	7			■	8	
9	10		■	11	12		■
■	13					■	14
15			■	■	16	17	
	■	■	18	19			
20					■		■

ऊपर से नीचे
1. शरीर के सूक्ष्म छेद जिनमें से रोये निकलते हैं 2. देह की ऊंचाई लंबाई, डील (उर्दू) 3. सुंघनी रखने की डिबिया 4. ठंडा, सर्द 6. भारत के उत्तर में स्थित प्रसिद्ध पर्वत 7. प्रसिद्ध (उर्दू) 10. मोर मयूर, नर्तक, अभिनेता (सं.) 12. सदा लात खाने वाला नीच 14. एक जाति जिसका कार्य प्रायः शराब बनाना और बेचना है 15. पतला बारीक, झीना 17. खान, वह स्थान जहां कोई वस्तु अधिकता से होती है 18. तिरोहित, लोप (सं.) 19. धाक, शक्ति

बाएं से दाएं
1.रोकने का भाव, रोक-टोक, अवरोध 3. नाशक, नश्वर, नाश होने वाला (सं.) 5. नशा, घमंड, मतवाले हाथियों की कनपटी से निकलने वाला द्रव्य 6. किसी व्यक्ति पर रखा जाने वाला पहरा, हवालात 7. गौरव, महत्व, प्रभाव, प्रताप (सं.) 8. दली हुई अरहर मूंग आदि 9. ढाक, टेसू 11. प्यारा बालक, लड़का 13. सुभीता (उर्दू) 15. बारह राशियों में से एक, मगर या घड़ियाल 16. पोला 18. प्रभावशाली (उर्दू) 20. जिसका सिर झुका हुआ हो

Solution 12135

हा	स	■	सु	जा	न	■	ब
मी	रा	■	ल	■	म	ल्हा	र
■	फ	त	ह	■	स्का	■	स
■	■	मा	■	कौ	र	व	■
■	पे	श	क	श	■	ध	त
अ	■	बी	■	ल	■	स्थ	ल
पं	च	न	द	■	मा	ल	वा
ग	ड्डी	■	म	हि	ला	■	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है, व्यय में कमी होगी, व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम के उपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्यय होगा, वर्षके अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के उपरांत लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पडेगा, पर लाभ कम होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ होगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोगरहेगा, मकर और कुंभ राशि की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अच्छे लाभ का योग है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर, साहसी, महत्वाकांक्षी एवं आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. अस्थिर बुद्धि का होने से उटपटांग बात करेगा. विद्या प्रारंभ में कम एवं बाद में अच्छी रहेगी. मित्रों की संख्या अधिक होगी. माता पिता का आदर करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

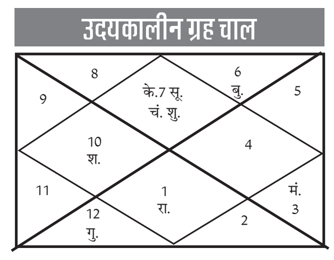

पंचांग

रा.मि. 19 संवत् 2082 माघ कृष्ण षष्ठी भृगुवासरे दिन 10/21, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्रे शाम 4/59, शोभन योगे रात 8/21, वणिज करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार कन्या, शु.रा. 6, 8, 9, 12, 1, 4 अ.रा. 7, 10, 11, 2, 3, 5 शुभांक- 8, 0, 5.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण षष्ठी को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव तमें 30 से 40 रूपये मंदी होगी. धान्यों के भाव में अस्थिरता रहेगी. कपास, वस्त्र जूट, पाट, बारदाना, के भाव में मंदी होगी. भाग्यांक 3441 है.

मेष- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं. विवादास्पद मामले सुलझ सकते हैं. आपकी बुद्धिमानी और सूझबूझ से बिगड़ा काम बनेगा.

वृषभ- दूसरों के मामलों में दखल से बचें. अटके काम को पूरा करने में दूसरों की मदद मिलेगी. शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. नियमितता का ध्यान रखें.

मिथुन- वैभव विलासिता के कार्यो में खर्च होगा. खरीददारी में विशेष रूचि रहेगी. वाहन चलाते समय सावधानी रखें. आकस्मिक धन लाभ का योग है.

कर्क- कार्यस्थल पर आपके कामकाज की मिलीजुली प्रतिक्रिया रहेगी. जकर्क जायजाद प्रापर्टी के कार्यो में सफलता मिलेगी. संबंधों में आपकी मधुरता रहेगी.

सिंह- किसी पर भी भरोसा सोच समझकर करें. परिणय चर्चाओं में सफलता के आसार है. नौकरी के कार्यो में अधिकता रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

कन्या- कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियां दूर होंगी. परिचितों के कारण अपना काम करने में मुश्किल आ सकती है. आय से अधिक व्यय होगा. लाभ सामान्य रहेगा.

तुला- छोटे छोटे झगड़े बड़े विवाद का रूप ले सकते हैं. दिनचर्या अनियमित रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. खानपान पर संयम रखें. विवाद को टालें.

वृश्चिक- वैभव के सामान पर बड़े खर्च की संभावना है. अपने काम को वरीयता से निपटाने का प्रयास करें. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. नियमितता का ध्यान रखें.

धनु- जोखिम के कार्यो में नुकसान हो सकता है. सावधानी बांछनीय. यश, मान सम्मान प्राप्त होगा. अधिकारी वर्ग आपकी भरपूर मदद करेंगे. संतोष बना रहेगा.

मकर- बुजुर्गो के मार्गदर्शन से अच्छी सफलता मिलेगी. पारिवारिक सहयोग भरपूर मिलेगा. धार्मिक कार्यो में सुख रहेगा. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

कुम्भ- जो भी कार्य शुरू करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी. अधूरी योजना को फिर से शुरू करेंगें. व्यर्थ के तनाव को टालें. पूज्य व्यक्ति की सलाह हितकारी रहेगी.

मीन- बुजुर्गो के मार्गदर्शन से लाभ का योग है. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. व्यापार की योजना कारगर रहेगी. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी.

SUDOKU 7268

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7267

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1